पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप एवं लेखन प्रक्रिया

अभिव्यक्ति और माध्यम

द्वारा : जितेन्द्र सिंह तंवर
पीजीटी-हिन्दी, के.वि. बंगाना

This PDF is generated automatically by Vizle.

Slides created *only for a few minutes* of your Video.

For the full PDF, please Login to Vizle.

https://vizle.offnote.co (Login via Google, top-right)

Stay connected with us:

Join us on Facebook, Discord, Quora, Telegram.

1. पूर्णकालिक पत्रकार–

वे पत्रकार, जो किसी समाचार संगठन में काम करने वाले नियमित वेतन भोगी कर्मचारी होते है, उन्हें पूर्णकालिक पत्रकार कहते है।

2. अंशकालिक (स्ट्रिंगर)-

वे पत्रकार, जो किसी समाचार संगठन के लिए एक निश्चित मानदेय पर ___ करते है, उन्हें अंशकालिक पत्रकार कहते है। ।

3. फ्रीलांसर पत्रकार –

जिन पत्रकारों का संबंध किसी खास समाचार पत्र से नहीं होता है बल्कि वे भुगतान के आधार पर अलग–अलग समाचार पत्रों के लिए लिखते है, उन्हें फ्रीलांसर पत्रकार कहते है।

Vizle

उलटा पिरामिड शैली-

- समाचार उलटा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं।
- यह समाचार लेखन की सबसे उपयोगी और लोकप्रिय शैली है।
- इसमें महत्त्वपूर्ण घटना का वर्णन पहले प्रस्तुत किया जाता है, उसके बाद महत्त्व की दृष्टि से घटते क्रम में घटनाओं को प्रस्तुत कर समाचार का अंत होता है।
- इसे 'उलटा पिरामिड' इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना यानी 'क्लाइमेक्स' पिरामिड के सबसे निचले हिस्से में नहीं होता बल्कि इस शैली में पिरामिड को उलट दिया जाता है अर्थात महत्त्वपूर्ण तथ्य यानी 'क्लाइमेक्स' सबसे पहले होता है।
- उलटा पिरामिड शैली के तीन भाग इंट्रो, बॉडी और समापन होते हैं।
- समाचार में इंट्रो, बॉडी और समापन के क्रम में घटनाएँ प्रस्तुत की जाती हैं।

By- J S Tanwar

उलटा पिरामिड

उलटा-पिरामिड शैली का विकास-

उलटा -पिरामिड शैली की शुरूआत अमेरिका के गृह युद्ध के दौरान हुई जब संवाददाताओं को किसी घटना की खबर टेलीग्राफ द्वारा शीघ्रता से और संक्षेप में देनी होती थी। इस तरह उलटा पिरामिड शैली का विकास हुआ और धीरे – धीरे लेखन और संपादन की सुविधा के कारण यह शैली समाचार लेखन की मानक (स्टैंडर्ड) शैली बन गई।

समाचार के छः ककार–

समाचार लिखते समय मुख्य रूप से छः प्रश्नों- **क्या, कौन, कहाँ, कब , क्यों और कैसे** का उत्तर देने की कोशिश की जाती है। इन्हें समाचार के छः ककार कहा जाता है। प्रथम चार प्रश्नों के उत्तर इंट्रो में तथा अन्य दो के उत्तर समापन से पूर्व बॉडी वाले भाग में दिए जाते हैं ।

विशेष रिपोर्ट :

सामान्य समाचारों से अलग वे विशेष समाचार जो गहरी छान-बीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर प्रकाशित किये जाते हैं, विशेष रिपोर्ट कहलाते हैं ।

विशेष रिपोर्ट के प्रकार:

खोजी रिपोर्ट : इसमें अनुपलब्ध तथ्यों को गहरी छान-बीन कर सार्वजनिक किया जाता है।

इन्डेप्थ रिपोर्ट: सार्वजनिक रूप से प्राप्त तथ्यों की गहरी छान-बीन कर उसके महत्त्वपूर्ण पक्षों को पाठकों के सामने लाया जाता है ।

विश्लेषणात्मक रिपोर्ट : इसमें किसी घटना या समस्या का विवरण सूक्ष्मता के साथ विस्तार से दिया जाता है। रिपोर्ट अधिक विस्तृत होने पर कई दिनों तक किश्तों में प्रकाशित की जाती है।

विवरणात्मक रिपोर्ट : इसमें किसी घटना या समस्या को विस्तार एवं बारीकी के साथ प्रस्तुत किया जाता है।

स्तम्भ लेखन:

एक प्रकार का विचारत्मक लेखन है। कुछ महत्त्वपूर्ण लेखक अपने खास वैचारिक रुझान एवं लेखन शैली के लिए जाने जाते हैं। ऐसे लेखकों की लोकप्रियता को देखकर समाचरपत्र उन्हें अपने पत्र में नियमित स्तम्भ- लेखन की जिम्मेदारी प्रदान करते हैं।

इस प्रकार किसी समाचार-पत्र में किसी ऐसे लेखक द्वारा किया गया विशिष्ट व नियमित लेखन जो अपनी विशिष्ट शैली व वैचारिक रुझान के कारण समाज में ख्याति प्राप्त हो, स्तम्भ लेखन कहा जाता है।

विशेष लेखन

किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हट कर किया गया लेखन है।
जिसमें राजनीतिक, आर्थिक, अपराध, खेल, फिल्म, कृषि, कानून विज्ञान और अन्य किसी भी मत्त्वपूर्ण विषय से संबंधित विस्तृत सूचनाएँ प्रदान की जाती हैं।

डेस्क :

समाचारपत्र, पत्रिकाओं, टीवी और रेडियो चैनलों में अलग-अलग विषयों पर विशेष लेखन के लिए निर्धारित स्थल को डेस्क कहते हैं। और उस विशेष डेस्क पर काम करने वाले पत्रकारों का भी अलग समूह होता है।
यथा, व्यापार तथा कारोबार के लिए अलग तथा खेल की खबरों के लिए अलग डेस्क निर्धारित होता है।

बीट : विभिन्न विषयों से जुड़े समाचारों के लिए संवाददाताओं के बीच काम का विभाजन आम तौर पर उनकी दिलचस्पी और ज्ञान को ध्यान में रख कर किया जाता है। मीडिया की भाषा में इसे बीट कहते हैं।

बीट रिपोर्टिंग तथा विशेषीकृत रिपोर्टिंग में अन्तर:

बीट रिपोर्टिंग के लिए संवाददाता में उस क्षेत्र के बारे में जानकारी व दिलचस्पी का होना पर्याप्त है, साथ ही उसे आम तौर पर अपनी बीट से जुड़ी सामान्य खबरें ही लिखनी होती हैं। किन्तु विशेषीकृत रिपोर्टिंग में सामान्य समाचारों से आगे बढ़कर संबंधित विशेष क्षेत्र या विषय से जुड़ी घटनाओं, समस्याओं और मुद्दों का बारीकी से विश्लेषण कर प्रस्तुतीकरण किया जाता है। बीट कवर करने वाले रिपोर्टर को संवाददाता तथा विशेषीकृत रिपोर्टिंग करने वाले रिपोर्टर को विशेष संवाददाता कहा जाता है।

This PDF is generated automatically by Vizle.

Slides created *only for a few minutes* of your Video.

For the full PDF, please Login to Vizle.

https://vizle.offnote.co (Login via Google, top-right)

Stay connected with us:

Join us on Facebook, Discord, Quora, Telegram.